

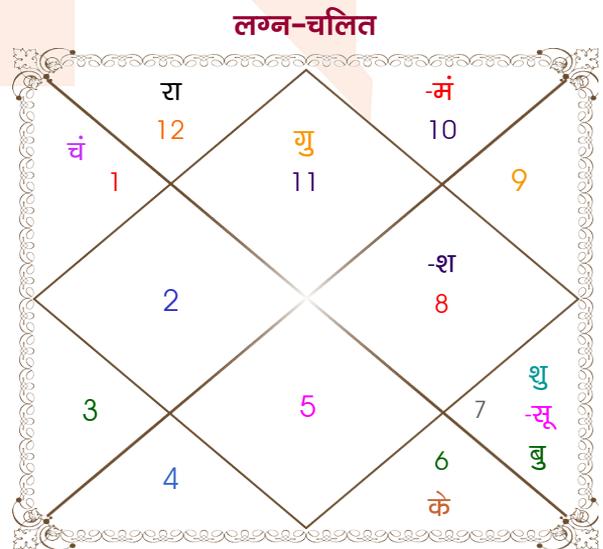
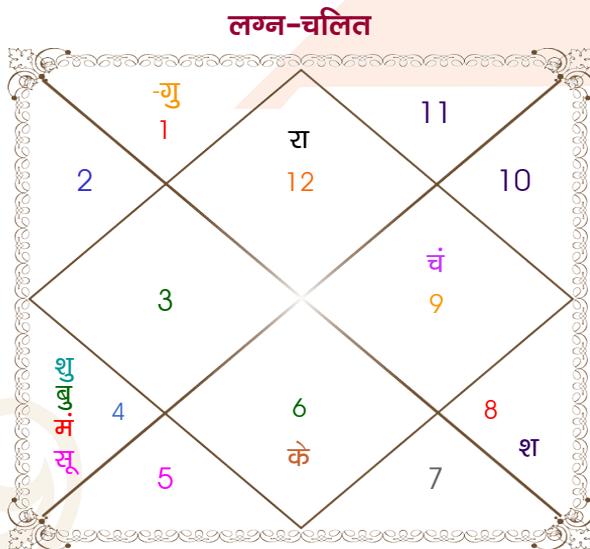


Model: Web-FreeMatching

Order No: 121006304

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 06/08/1987 : _____ जन्म तिथि _____ : 19/10/1986
 गुरुवार : _____ दिन _____ : रविवार
 घंटे 21:55:00 : _____ जन्म समय _____ : 15:47:00 घंटे
 घटी 40:47:53 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 24:10:33 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Sitapur : _____ स्थान _____ : Lucknow
 25:11:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 26:50:00 उत्तर
 80:52:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 80:54:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:06:32 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:06:24 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:35:50 : _____ सूर्योदय _____ : 06:08:00
 18:48:39 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:34:40
 23:41:01 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:40:14

विंशोत्तरी केतु 1वर्ष 2मा 21दि मंगल		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शुक्र 9वर्ष 0मा 18दि राहु
		22:20:59	मीन	लग्न	कुंभ	26:13:49	
		19:59:47	कर्क	सूर्य	तुला	02:03:49	
		10:59:48	धनु	चंद्र	मेष	20:37:56	
		26:03:06	कर्क	मंगल	मक	12:14:12	
मंगल	26/03/2025	05:56:16	कर्क	बुध	तुला	26:14:51	राहु
राहु	13/04/2026	05:45:39	मेष	गुरु व	कुंभ	19:58:20	गुरु
गुरु	20/03/2027	15:25:56	कर्क	शुक्र व	तुला	26:26:49	शनि
शनि	28/04/2028	20:58:45	वृश्चि व	शनि	वृश्चि	13:21:47	बुध
बुध	25/04/2029	09:54:22	मीन व	राहु व	मीन	27:13:22	केतु
केतु	21/09/2029	09:54:22	कन्या व	केतु व	कन्या	27:13:22	शुक्र
शुक्र	21/11/2030	29:18:40	वृश्चि व	हर्ष	वृश्चि	25:49:53	सूर्य
सूर्य	29/03/2031	11:59:10	धनु व	नेप	धनु	09:41:40	चन्द्र
चन्द्र	28/10/2031	13:34:24	तुला	प्लूटो	तुला	13:09:18	मंगल
							06/11/2036



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।